Sannata Lyrics

English

Dhara Ke Viparit Chale
Apni Hi Naav Duba Baithe
Aag Lagane Wale Hi
Apni Tasrif Jala Baithe

Ho Dhara Ke Viparit Chale
Apni Hi Naav Duba Baithe
Aag Lagane Wale Hi
Apni Tasrif Jala Baithe

Juth Ki Patloon Le Utari He
Lyricsbogie.com
Sach Ki Pagadi Jiti He
Aaj Hawayein Bhagwa He Hum
Aisi Dhaag Jama Baithe

Jitane Ki Hume Do Badhai
Itna Sannata He Kyu Bhai
Mooh Karo Mitha Khao Mithai
Itna Sannata He Kyu Bhai

Jitane Ki Hume Do Badhai
Itna Sannata He Kyu Bhai
Sannata Sannata Sannata Kyu He Bhai

Tum Jiska Uphas Udake
Samjete The Khota Sikka
Aaj Usine Baazi Mari
Banke Hukam Ka Ikka

Tumne To Googly Dali Thi
Mara He Humne Chakka
Roke Se Ab Nahi Rukega
Rastravad Ka Chakka

Kaal Chamcho Ki Ab Gal Na Payi

Itna Sannata Kyu He Bhai
Kaal Chamcho Ki Ab Gal Na Payi
Itna Sannata Kyu He Bhai

Hor Badlav Ki Khilkhilayi
Itna Sannata Kyu He Bhai
Sannata Sannata Sh Sannata

Ab Khair Nahi Jaichando Ki
He Gunj Raha Jaikara
Itihas Naya Hum Likh Denge
Modenge Ulti Dhara

Kitani Hi Qurbani Di He
Lane Ko Waqt Humara
Ha Phir Se Sone Ki Chidiya
Hoga Ye Desh Humara

Ab Jubani Humari He Ayi
Itna Sannata Kyu He Bhai
Le Raha He Samay Anagadaai
Itna Sannata Sannata Sannata Kyu He Bhai

Itna Sannata Kyu He Bhai

More Lyrics from Jahangir National University

हिंदी

धारा के विपरीत चले
अपनी ही नाव डूबा बैठे
आग लगाने वाले ही
अपनी तसरीफ जला बैठे

हो धारा के विपरीत चले
अपनी ही नाव डूबा बैठे
आग लगाने वाले ही
अपनी तसरीफ जला बैठे

जुठ की पतलून ले उतरी हे
सच की पगड़ी जीती हे
आज हवाएं भगवा हे हम
ऐसी धाग जमा बैठे

जितने की हमें दो बधाई
इतना सन्नाटा हे क्यू भाई
मुँह करो मीठा खाओ मिठाई
इतना सन्नाटा हे क्यू भाई

जितने की हमें दो बधाई
इतना सन्नाटा हे क्यू भाई
सन्नाटा सन्नाटा सन्नाटा क्यू हे भाई

तुम जिसका उपहास उड़ाके
समजे थे खोटा सिक्का
आज उसने बाजी मारी
बनके हुकम का इक्का

तुमने तो गुगली डाली थी
मारा हे हमने छक्का
लिरिक्सबोगी.कॉम
रोके से अब नहीं रुकेगा
राष्ट्रवाद का चक्का

काल चमचो की अब गल ना पाई
इतना सन्नाटा क्यों हे भाई
काल चमचो की अब गैल न पाई
इतना सन्नाटा क्यू हे भाई

होर बदलाव की खिलखिलाई
इतना सन्नाटा क्यू हे भाई
सन्नाटा सन्नाटा श सन्नाटा

अब खैर नहीं जयचंदो की
हे गूंज रहा जयकारा
इतिहास नया हम लिख देंगे
मोडेंगे उल्टी धारा

कितनी ही कुर्बानी दी हे
लाने को वक़्त हमारा
हा फिर से सोने की चिड़िया
होगा ये देश हमारा

अब जुबानी हमारी हे आई
इतना सन्नाटा क्यू हे भाई
ले रहा हे समय अंगड़ाई
इतना सन्नाटा सन्नाटा सन्नाटा क्यू हे भाई

इतना सन्नाटा क्यों हे भाई

More Lyrics from Jahangir National University